शिवराज ने जाना परमहंस योगानंद का जीवन-दर्शन

योगदा आश्रम को चंदन के पांच पौधे भेंटकर लिया आशीर्वाद

लिखा, यहां आकर मैं धन्य हो गया, मैं परम सौभाग्यशाली हूं

संवाददाता

रांची : मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को योगदा आश्रम जाकर चंदन के पांच पौधे भेंट किया और स्वामी ईश्वरांनद गिरि तथा स्वामी श्रद्धानंद गिरि से आशीर्वाद लिया। स्वामी श्रद्धानंद ने शिवराज का स्वागत पौधा भेंट कर किया। उन्होंने परमहंस योगानंद के उस कमरे में जाकर ध्यान किया, जिसमें वे रहा करते थे। इसके अलावा वे ध्यान मंदिर तथा उस पवित्र लीची वृक्ष के नीचे भी बैठे, जहां परमहंस ने अपने शिष्यों को 1917 से 1920 तक शिक्षा दी थी। शिवराज के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुआ, बोकारो के विधायक बिरंची नारायण और अन्य नेताओं ने भी आश्रम परिसर का परिभ्रमण किया। स्वामी ईश्वरानंद ने उनको योगेश्वर कृष्ण की तस्वीर तथा योगानंद की विश्व प्रसिद्ध जीवनी योगी कथामृत तथा श्रीमद्गीता का भाष्य भगवान-अर्जुन संवाद भेंट की। आश्रम की आगंतुक पुस्तिका में शिवराज ने अपनी मनोभावनाएं इस प्रकार दर्ज की, ह्यायोगदा आश्रम आकर मैं धन्य हो गया। मैं परम सौभाग्यशाली हूं, जो मुझे आने का अवसर मिला। मैं योगी कथामृत पढ़ ही रहा था कि रांची आने का कार्यक्रम बन गया। यहां स्वाभाविक रुप से इच्छा हुई कि ह्यायोगदाह्न जाना ही चाहिए। यह अद्भुत दिव्य ऊर्जा क्षेत्र है, जहां बैठकर ध्यान की इच्छा होती है।ह्न उनकी जिज्ञासा पर योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के महासचिव स्वामी ईश्वरानन्द गिरि ने मठ की खूबियों, इसकी आध्यात्मिक विरासत और किये जा रहे आध्यात्मिक उन्नति के कार्यों से शिवराज को अवगत कराया। साथ ही बताया कि कैसे परमहंस योगानन्द ने रांची में 1917 में योगदा सत्संग मठ की स्थापना की थी और फिर तीन वर्षों बाद अमेरिका जाकर क्रियायोग को विश्व के मानचित्र पर प्रतिस्थापित कर भारतीय योग की धाक जमा दी। स्वामी ईश्वरानन्द ने शिवराज सिंह चौहान को यह भी बताया कि यह संस्था केवल आध्यात्मिक उन्नति की ही बात नहीं करती, बल्कि यह सामाजिक व राष्ट्रीय कार्यों में भी अपना योगदान दे रही है। शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदा सत्संग मठ के क्रियाकलापों से भी उन्होंने अवगत कराया। शिवराज ने कहा कि उनका विषय दर्शन रहा है, इसलिए अध्यात्म के प्रति उनका स्वाभाविक रूझान है।